कविता

शिक्षा का अधिकार अधिनियम

अनार सिंह*

शिक्षा का अधिकार अधिनियम, अच्छी तरह समझ लो,
शिक्षण कैसे करना है अब, अच्छी तरह समझ लो।

ढाई आख़र प्रेम के अब, सबको पढ़ने होंगे,
बिना दण्ड के ही सब बच्चे, बस में करने होंगे।

नहीं उठाएंगे अब डण्डा, अच्छी तरह समझ लो,
शिक्षण कैसे करना है अब, अच्छी तरह समझ लो।

सतत् औ' व्यापक मूल्यांकन, हर बच्चे का करना है,
किसी हाल में किसी बच्चे को, फेल नहीं करना है।

नहीं करना है भेदभाव, अच्छी तरह समझ लो,
शिक्षण कैसे करना है अब, अच्छी तरह समझ लो।

बच्चों के अधिकारों का, हनन नहीं करना है,
हर बच्चे को हर अधिकार, खुशी-खुशी देना है।

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या भी, अच्छी तरह समझ लो,
शिक्षण कैसे करना है अब, अच्छी तरह समझ लो।

* *उच्च प्राथमिक शिक्षक*, मधुबन, लक्ष्मी टॉकीज़ गली, दीनदयाल कॉलोनी, कासगंज-207123, उत्तर प्रदेश

अध्यक्ष, प्रकाशन प्रभाग, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, श्री अरविन्द मार्ग, नयी दिल्ली 110 016 द्वारा प्रकाशित तथा एना प्रिन्टो ग्राफिक्स प्रा.लि., 347-के, उद्योग केन्द्र एक्स-II, ग्रेटर नोएडा-201306 द्वारा मुद्रित।